Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh.

कक्षा - तीसरी

विषय - हिन्दी साहित्य शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : तरंग हिन्दी पाठमाला - 3

उपविषय : पाठ-4 'तितली का घमण्ड' के प्रश्नोत्तर

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा तीसरी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक तरंग हिन्दी पाठमाला भाग-तीन में दिए पाठ-4 'तितली का घमंड के लिखित प्रश्नोत्तर को करेंगे।

लिखित

प्रश्न 1. तितली के पंख कैसे थे ?
उत्तर- तितली के पंख रंग-बिरंगे और चमकीले थे।

प्रश्न 2. तितली अपने आपको कैसा मानती थी ?
उत्तर- तितली अपने आपको बहुत सुन्दर मानती थी।

प्रश्न 3. तितली को किस बात का घमंड था ?
उत्तर- तितली बहुत ही सुन्दर और रंग- बिरंगे चमकीले पंखों वाली थी। उसे अपने रंग-रूप पर बहुत घमंड।

CamScanner

कक्षा - तीसरी

विषय - हिन्दी साहित्य शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

प्रश्न 4. कीड़े को देखकर तितली को कैसा लगा ?
उत्तर - कीड़ा लंबा, दुबला - पतला और मिट्टी के रंग का था। उसके शरीर पर एक भी पंख नहीं था। तितली को कीड़ा गंदा और बदसूरत लगा। उसे देखकर तितली को नफ़रत होने लगी।

प्रश्न 5. कीड़े ने हँसकर तितली से क्या कहा ?
उत्तर - कीड़े ने हँसकर तितली से कहा कि "अच्छा, ऐसी बात है। तुम्हें शायद यह पता नहीं कि कुछ दिन पहले तुम भी मेरे जैसी ही थीं।

गृहकार्य

सभी छात्र इन प्रश्नोत्तर को अपनी-अपनी हिन्दी साहित्य की कॉपी में लिखेंगे एवं याद भी करेंगे। इस कार्य को सब सुन्दर लिखाई में लिखेंगे।

धन्यवाद।

[Last Page]

CS CamScanner